गुरु नानक कॉलेज, धनबाद

दिनांक: 30 जुलाई 2025

गुरु नानक कॉलेज में "व्हाट एल्स हायर एजुकेशन" ("उच्च शिक्षा में क्या समस्याएँ हैं?") विषयक व्याख्यान का सफल आयोजन

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के IQAC के तत्वावधान में आज दिनांक 30 जुलाई 2025 को महाविद्यालय के एस. जे. एस. ग्रेवाल सभागार में "व्हाट एल्स हायर एजुकेशन"**("उच्च शिक्षा में क्या समस्याएँ हैं?")** विषय पर एक शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान अपराह्न 1:00 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षाविद, संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

इस गरिमामयी अवसर पर बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राम कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राधानाथ त्रिपाठी, डीन छात्रकल्याण. डॉ पुष्पा कुमारी, एवं डॉ. तापति चटर्जी (आर्ट एंड कल्चर विभाग) की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रंजना दास द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत करते हुए इस कार्यक्रम की पृष्ठभूमि और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उच्च शिक्षा को गुणवत्तापरक एवं नवोन्मेषी बनाने के लिए इस प्रकार के विमर्श की आवश्यकता पर बल दिया।मुख्य अतिथि डॉ. राम कुमार सिंह ने अपने संबोधन में आधुनिक शिक्षा प्रणाली की बारीकियों, चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा केवल डिग्री प्राप्ति तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह शोध, नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहन देने वाली होनी चाहिए। उन्होंने प्रोत्साहन को सफलता की कुंजी बताया।कुलसचिव डॉ. त्रिपाठी ने ज्ञान और रोजगार के परस्पर संबंध की विवेचना करते हुए कहा कि "ज्ञान स्वयं में एक गुरु है"। उन्होंने शिक्षा को व्यवहारिक जीवन से जोड़ने की बात कही।डीन डॉ. पुष्पा कुमारी ने अपने वक्तव्य में नवीन शिक्षा नीति तथा उच्च शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों पर अपने विचार साझा किए और इसे राष्ट्र निर्माण की रीढ़ बताया।इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित प्रो. पूर्णेन्दु शेखर, पूर्व प्राचार्य, गुरु नानक कॉलेज ने "व्हाट एल्स हायर

एजुकेशन” ”(“उच्च शिक्षा में क्या समस्याएँ हैं?”) विषय पर एक तथ्यात्मक एवं प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। उन्होंने शिक्षा की गहराई को समझने हेतु छात्र-छात्राओं में जिज्ञासा, आत्म-अवलोकन और सकारात्मक सोच को आवश्यक बताया। उन्होंने उपनिषदों, भारतीय संस्कृति और ‘इंडियन कल्चर हेरिटेज’ जैसी पुस्तकों का उदाहरण देते हुए गुरु-शिष्य परंपरा और शिक्षण कला के विविध आयामों पर प्रकाश डाला।कॉलेज अध्यक्ष सरदार आर. एस. चहल ने युवाओं को ज्ञानवर्धन हेतु नियमित पठन-पाठन को जीवनशैली का हिस्सा बनाने की सलाह दी। कॉलेज सचिव सरदार दिलजोन सिंह ग्रेवाल ने धन्यवाद ज्ञापन में मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय से आए सभी पदाधिकारी और मुख्य वक्ता का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षा को चरित्र निर्माण और आत्मविकास का सर्वोत्तम माध्यम बताया। इस अवसर पर कॉलेज के विभिन्न विभागों के प्रोफेसरगण – शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सौ से अधिक छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

कार्यक्रम के समापन की औपचारिक घोषणा राष्ट्रगान के साथ हुई। -

GURU NANAK COLLEGE, BHANDUP

GURU NANAK COLLEGE, BHANDUP

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
DISTINGUISHED LECTURE ON
GURU NANAK COLLEGE
DHANBAD

NCC

GURU NANAK COLLEGE

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
DISTINGUISHED LECTURE ON
WHAT AILS HIGHER EDUCATION

GURU NANAK CO

नवाचार को प्रोत्साहन देने वाली शिक्षा दें: कुलपति

धनबाद। बीबीएमकेयू के कुलपति प्रो रामकुमार सिंह ने कहा कि आज की शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह शोध, नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहन देने वाली होनी चाहिए। प्रोत्साहन को सफलता की कुंजी बताते हुए आधुनिक शिक्षा प्रणाली की बारीकियों, चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि कुलपति ने बुधवार को गुरुनानक कॉलेज में आयोजित उच्च शिक्षा में क्या समस्याएं हैं? व्याख्यान को संबोधित किया। आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित व्याख्यान में अतिथियों ने अपनी बातें रखीं। रजिस्ट्रार डॉ राधानाथ त्रिपाठी ने ज्ञान और रोजगार के परस्पर संबंध की विवेचना की।

Hindustan Daily, Page 04 - Dt.31/7/2025